

Trading patterns: Global and regional perspectives

In 2015, China was once again the world's leading merchandise exporter and the United States the leading merchandise importer. The top five traders – namely China, United States, Germany, Japan and the United Kingdom – accounted for more than one-third of world trade while the top three countries accounted for more than one-quarter. A fall in prices in international markets had a particular impact on Africa, particularly Sub-Saharan Africa, other commodity exporters and regional trade agreements in general.

The United States remained the leading trader of commercial services. However, China, which ranked second, was the only economy with positive growth for both exports and imports. In 2015, all regions, with the exception of the Middle East, experienced declines in their exports of services.

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------

Merchandise trade

Top performers

China, the United States, Germany and Japan remained the top four traders for both merchandise exports and imports in 2015 (see Chart 5.1). China was the leading exporter, with total exports of US\$ 2.27 trillion and a 14 per cent share of world exports, followed by the United States (US\$ 1.50 trillion, 9 per cent), Germany (US\$ 1.33 trillion, 8 per cent) and Japan (US\$ 624 billion, 4 per cent). The fifth biggest exporter was the Netherlands, with total exports of US\$ 567 billion, representing a 3 per cent share of world exports (see Table A6).

The leading importer was the United States, with imports totalling US\$ 2.31 trillion, representing a 14 per cent share of the global total, followed by China (US\$ 1.68 trillion, 10 per cent), Germany (US\$ 1.05 trillion, 6 per cent) and Japan (US\$ 648 billion, 4 per cent). The United Kingdom was the fifth biggest importer of goods, with imports amounting to US\$ 626 billion, representing 4 per cent of world imports (see Table A6).

The European Union experienced a decline of 12 per cent in the value of its exports in 2015 following an average of 2 per cent growth in 2012-14. Asia overtook Europe for the first time in terms of share of world exports in 2015 (36.17 per cent compared with 36.15 for Europe). Europe and Asia, the leading destinations of exports, saw their imports drop by 13 per cent and 14 per cent respectively in 2015.

Since the financial crisis in 2008, the European Union and the United States have experienced similar trade patterns in terms of exports and imports. Though more volatile than GDP, exports and imports from these two

Chart 5.1:
Merchandise trade of world's leading traders, 2011-2015
(annual percentage change, %)

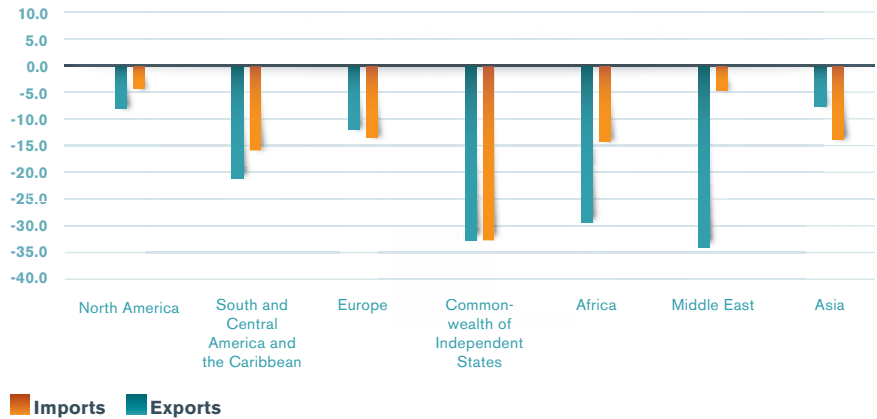


traders have followed a similar pattern to GDP growth. Conversely, countries such as China and Japan have seen varying trends for their exports and imports. For instance, in 2015, China's imports dropped by 14 per cent while its exports declined by only 3 per cent (see Chart 5.1).

Exports from emerging economies declined in 2015. In particular, Argentina, Brazil, Bulgaria, Chile, China, Colombia, Hungary, India, Indonesia, Latvia, Lithuania, Malaysia, Mexico, Pakistan, Peru, Philippines, Poland, Romania, Russia, South Africa, Thailand, Turkey, Ukraine and Venezuela experienced significant declines (see Tables A6 and A7). Total exports from this group of countries fell by 11 per cent in 2015, bringing the total value of exports to about US\$ 5 trillion, representing 30 per cent of the world total. The largest among this group were Russia (32 per cent), India (17 per cent) and Brazil (15 per cent).

Both China and Mexico were relatively resilient to the decline in exports compared with other developing economies, recording a fall of 3 and 4

Chart 5.2:
Merchandise trade by region, 2015
(annual percentage change)



per cent respectively. China, however, experienced a large decline of 14 per cent for imports. Mexico's decline in imports was not as drastic, falling by 2 per cent.

Regional performance

In dollar terms, Asia was the best performing region in 2015 followed by Europe and North America. Its overall merchandise exports amounted to US\$ 5.961 trillion, followed by Europe's

US\$ 5.958 trillion and North America's US\$ 2.3 trillion. The regions' exports declined by 7, 12 and 8 per cent respectively (see Chart 5.2).

Africa's exports experienced a significant 30 per cent decline in dollar terms in 2015. Accounting for about 40 per cent of the region's exports, Sub-Saharan oil-exporting countries, such as Equatorial Guinea and Congo, were significantly affected by the 60 per cent decline in oil prices. Nigeria saw a decline of almost 50 per cent (see Table A7) in its export revenues in dollar terms (see Chart 5.3). This weakness was also due to a variety of other factors, including slow growth in North Africa and domestic and political turmoil. Growth in South Africa and Morocco was relatively better than the average for the region, with a less marked decline in the value of their exports.

Asia experienced the lowest regional decline in total exports in 2015, with a fall of 7 per cent. However, the larger Asian economies, such as Malaysia and the Philippines (net exporters of manufactured products), experienced a decline of 15 per cent

Chart 5.3:
Merchandise exports from Africa, 2005-2015
(million US dollars)

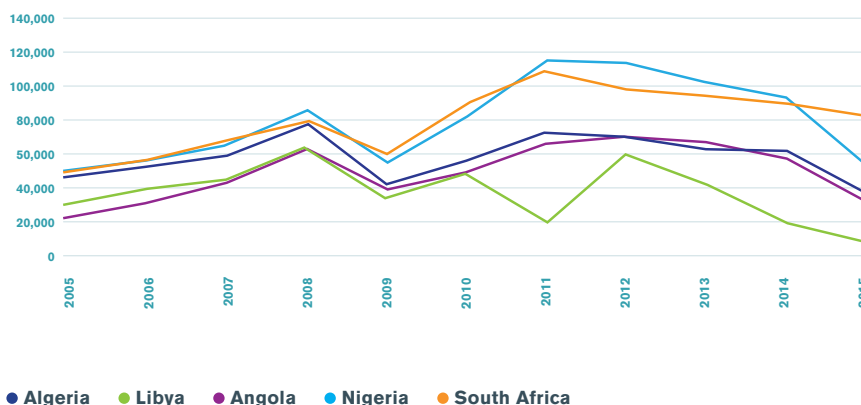
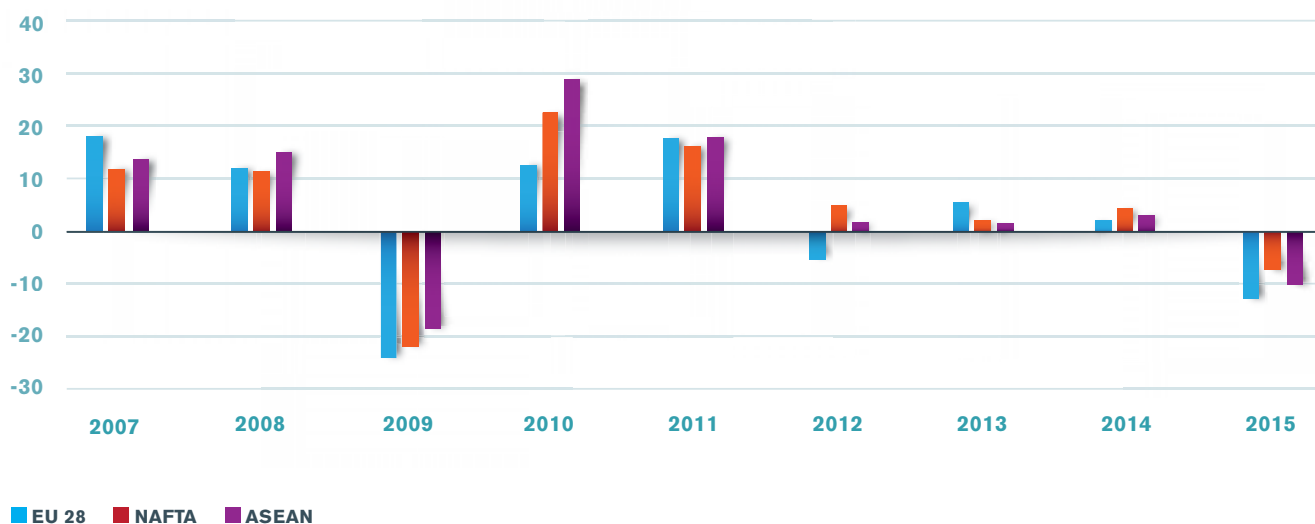


Chart 5.4:
Merchandise exports of leading RTAs, pre- and post-financial crisis, (2007-2015)
(annual percentage change)



and 6 per cent respectively while Indonesia's exports fell by 15 per cent (see Table A7). On the other hand, Viet Nam (a net importer of manufactured goods) and Bangladesh (a clothing exporter) experienced growth of 8 and 6 per cent respectively (see Table A7) despite declining prices for manufactured goods in 2015. Developing Asia continues to account for the bulk of developing economies' share in world exports, representing 67 per cent of developing economies' exports.

The participation in global trade of the Middle East, South and Central America and the Commonwealth of Independent States is still largely confined to agricultural products, energy and other commodities, so their trade flows are vulnerable to price movements influenced by international markets. Their total exports amounted to US\$ 841 billion, US\$ 540 billion and US\$ 500 billion respectively in 2015. Compared to 2014, their exports declined by 35, 21 and 32 per cent respectively.

Regional trade agreements (RTAs)

Some 423 notifications regarding RTAs (counting goods, services and accessions separately) – comprising 267 physical RTAs – have been received by the GATT/WTO and are currently in force, the biggest being the European Union, the North American Free Trade Agreement (NAFTA) and the Association of Southeast Asian Nations (ASEAN). Together, the three RTAs represent 55 per cent of world exports (US\$ 8.8 trillion) and 58 per cent of world imports (US\$ 9.6 trillion).

Overall, total merchandise trade in value terms for RTAs stagnated or declined in 2015 (see Chart 5.4). The European Union, however, slightly increased its one-third share of world exports, increasing its total to US\$ 5,387 billion.

NAFTA accounted for 14 per cent of world exports, and ASEAN represented 7 per cent of world

exports respectively in 2015. The average growth rate for merchandise trade from 2013 to 2015 is lower than the rate from 2007 to 2009, reflecting the sluggish economic growth across the world since the financial crisis of 2008 and a fall in export and import prices from 2014 to 2015.

In South America, MERCOSUR (Southern Common Market) and the Andean Community (consisting of Bolivia, Colombia, Ecuador and Peru) both experienced a decline in their exports of 22 per cent and 27 per cent respectively. Similarly their shares in world exports continued to decline slightly from 2014 to 2015.

In Africa, the dependence of the Economic Community of West African States (ECOWAS) on oil exports and imports – particularly Nigeria, which accounted for 50 per cent of ECOWAS exports – resulted in its share of world exports falling to 0.5 per cent in 2015 from 0.9 per cent in 2012 (see Table A56).

Trans-Pacific Partnership

The Trans-Pacific Partnership (TPP), a trade agreement among 12 Pacific Rim countries signed in February 2016, aims to increase market access and promote economic growth through new trade rules. The agreement has not yet entered into force.

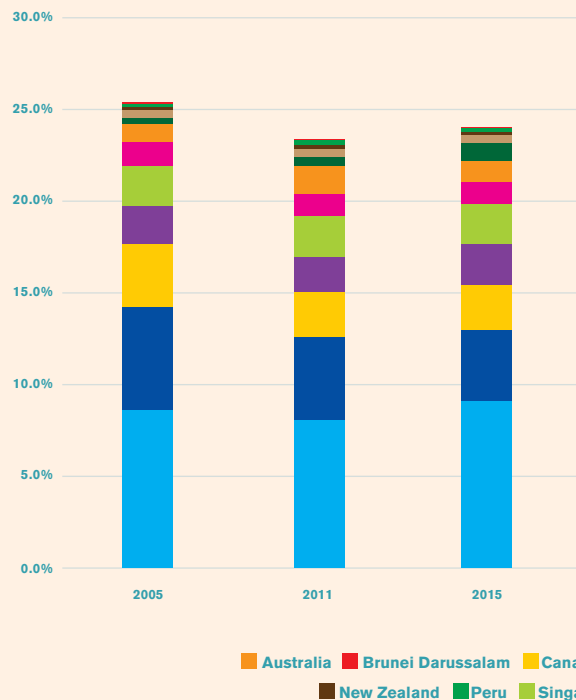
The 12 signatory countries saw their share of world exports decline to 24 per cent in 2015 from 25 per cent in 2005 and their share of world imports fell to 29 per cent from 31 per cent a decade earlier.

The TPP offers its signatories the potential to benefit from the large size of the markets covered by the agreement and to increase their share of world trade. In 2014, the signatories accounted for 36 per cent of the world's GDP, or US\$ 28 trillion, and encompassed

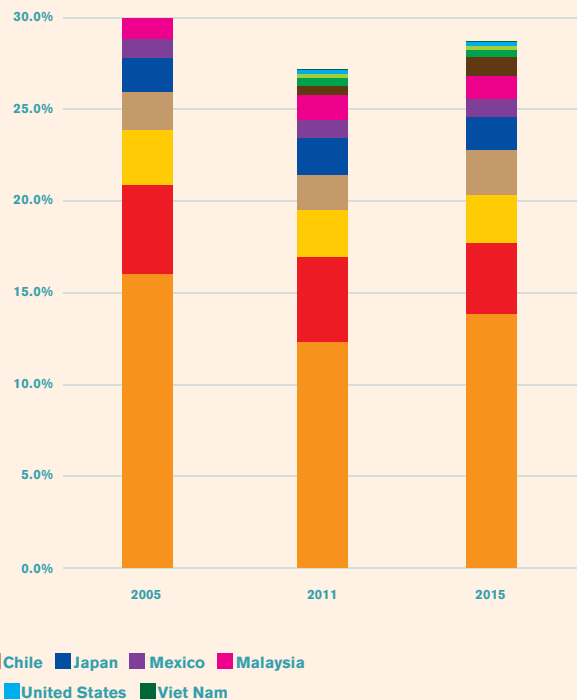
a population of 810 million. The United States is the largest market in terms of GDP and population, representing 62 per cent of the TPP's GDP and 40 per cent of the population covered by the TPP.

The TPP includes some of the fastest growing economies in trade. Since 2005, Viet Nam, Peru and Chile have experienced annual average growth rates of 17 per cent, 14 per cent and 9 per cent respectively for their merchandise exports. For the other TPP countries, the lowest annual average growth rate during this period was 3.7 per cent, recorded by the United States. In terms of GDP, Viet Nam, Peru, Singapore and Malaysia achieved the highest annual growth rates during the last decade, averaging at 9 per cent or higher.

TPP partners in world exports (% share)



TPP partners in world imports (% share)



Trade in commercial services

In 2015, world trade in commercial services was down by 6 per cent, with some regions experiencing significant declines (see Chart 5.5). In the Commonwealth of Independent States (CIS), exports dropped by 16 per cent and imports by 23 per cent, reflecting a contraction in services trade in the Russian Federation and the depreciation of the Russian rouble against the US dollar (see Table A3).

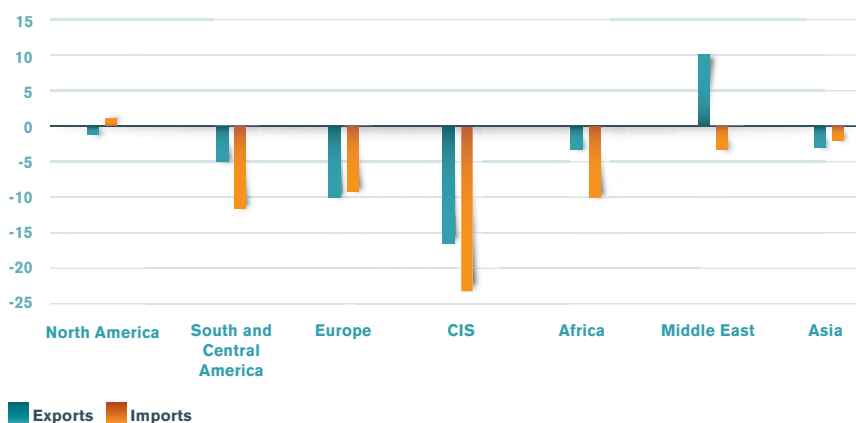
Strong exchange rates fluctuations in Europe largely contributed to the region's decline in services trade, while the recession in Brazil had a major impact on services trade in South and Central America, in particular on imports, which fell by 12 per cent. Imports increased moderately in North America, the only region with positive import growth. In Asia, a decline in transport exports in many economies due to weak merchandise trade and a contraction in other commercial services translated into services exports falling by 3 per cent (see Table A3).

A decrease in travel receipts, which account for more than 40 per cent of Africa's exports, resulted in a decline of 3 per cent in Africa's exports of commercial services. In contrast, expanding tourism in the Middle East, the region's largest exported service, boosted its services exports, which rose by 5 per cent, reflecting sustained growth in both the United Arab Emirates and in the Kingdom of Saudi Arabia (see Table A3).

Top performers

In 2015, the top ten exporters of commercial services were the same as the top ten importers but the order of the top ten differed (see Chart 5.6). The United States maintained its position as the world's leading trader of commercial

Chart 5.5:
Trade in commercial services by region, 2015
(annual percentage change)



Source: WTO-UNCTAD-ITC estimates.

services. Although US exports stagnated, its imports were up by 3 per cent, reflecting its ongoing economic recovery (see Tables A8 and A9).

China was the second-largest services exporter in 2015, with a 6 per cent share in global services exports. The country was the only leading services exporter to record positive growth for both exports and imports (2 per cent and 3 per cent respectively). However, China remained a net importer of services, mainly due to the rapid increase in its travel imports in recent years. Among other leading Asian traders, imports fell more steeply than exports, with Japan's services imports down by 9 per cent (see Tables A8 and A9).

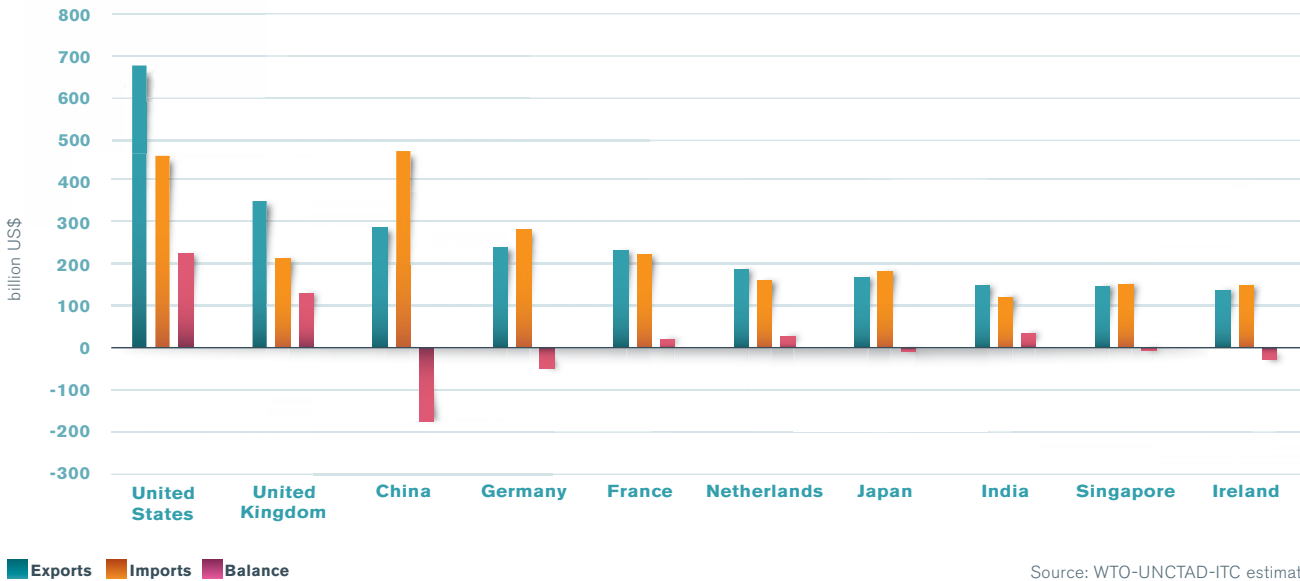
In US dollar terms, leading European traders saw declines in their services trade, with the sharpest export reduction in France (-13 per cent) and the biggest fall in imports in Germany (-12 per cent). However, it should be noted that in euro terms growth was positive in both countries. Imports rose by 4 per cent in Ireland, as payments for business services as well as for charges for the

use of intellectual property thrived. Ireland recorded the most dynamic growth rate among leading importers of commercial services (see Tables A8 and A9).

Commercial services trade by modes of supply

Services traded through mode 1 (services supplied from one country to another, officially known as "cross-border trade") accounted for 16 per cent of US exports and imports of services. These services comprise transport (excluding supporting and auxiliary transport services), telecommunications services, information services, insurance and pensions services, financial services, charges for the use of intellectual property n.i.e., operating leasing services and trade-related services. Mode 2 (consumers or firms making use of a service in another country, known officially as "consumption abroad") represents around 11 per cent of US exports of commercial services and 8.5 per cent of imports. Mode 2 covers travel and supporting and auxiliary

Chart 5.6:
Leading traders of commercial services, 2015
 (US\$ billion and annual percentage change)



Source: WTO-UNCTAD-ITC estimates.



Source: WTO-UNCTAD-ITC estimates.

(individuals travelling from their own country to supply services in another, known officially as “presence of natural persons”) together made up 6.1 per cent of US services exports and 8.2 per cent of its imports. This category covers computer services as well as a variety of professional and technical services, such as legal services, business and management consulting, and research and development services for which a dominant mode of supply cannot be determined. They can be delivered through mode 1 or mode 4. In Chart 5.7, mode 4 covers only mining services while modes 3 and 4 combined (commercial presence and presence of natural persons) refer to construction in balance of payments statistics.

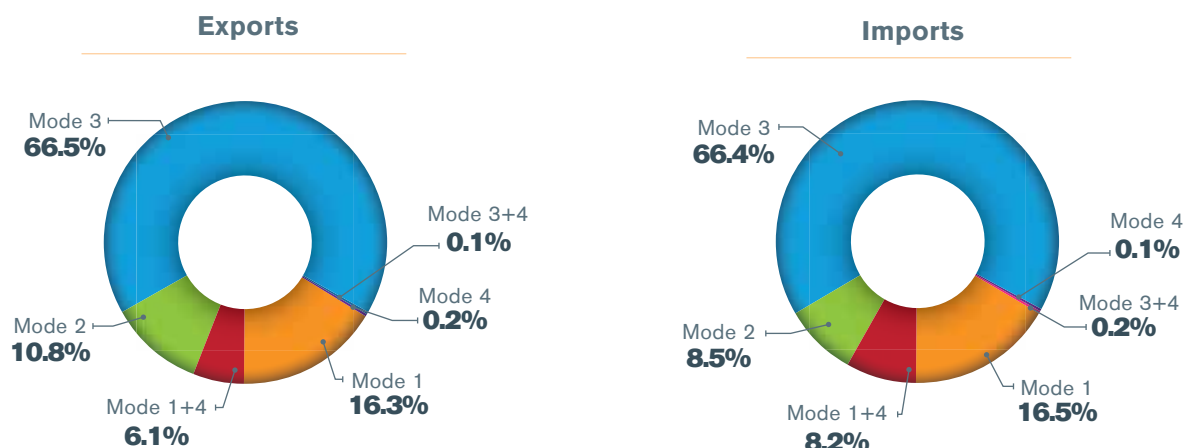
Over two-thirds of US exports and imports of services took place through the setting-up of subsidiaries or branches to provide services in another country, known as “establishment of a commercial presence” (mode 3, as defined by the General Agreement on

transport services (such as loading and unloading of containers in ports and airports, storage and warehousing,

cleaning, etc.), which are supplied on a consumption abroad basis. Exports through mode 1 and mode 4

Chart 5.7:

Estimated structure of trade in commercial services in the United States by mode of service supply, 2013



Source: WTO Secretariat calculations based on U.S. Bureau of Economic Analysis (BEA) data.

Trade in Services) in 2013, the latest year for which data is available.

Foreign affiliates statistics (FATS): Sales of services through foreign affiliates

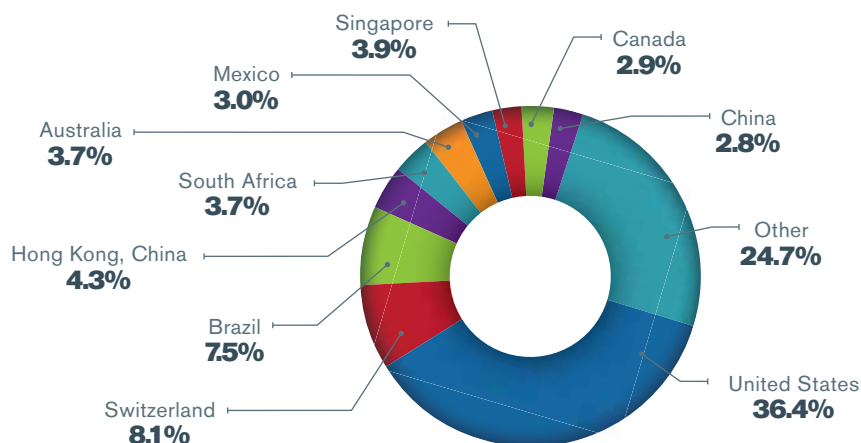
Services can be provided to foreign markets via a direct investment channel. Modes 1, 2 and 4 (recorded in the balance of payments current account) mostly concern transactions between residents and non-residents. However, most of mode 3 (“supply of services through commercial presence”) can only be fully analysed through foreign affiliates statistics. Until recently, data was mainly limited to developed economies. But in recent years, an increasing number of developing economies, including some least-developed economies, have started compiling such data, leading to a better understanding of how suppliers render services to their clients worldwide. Due to the time lag for the production of these statistics, it is only possible

to analyse data up to 2013 in this publication. As shown in Table A63, mode 3 represents an important way of supplying services to international

markets. On average, the level of sales is steadily increasing. This is reflected in the data available for the major services-producing economies.

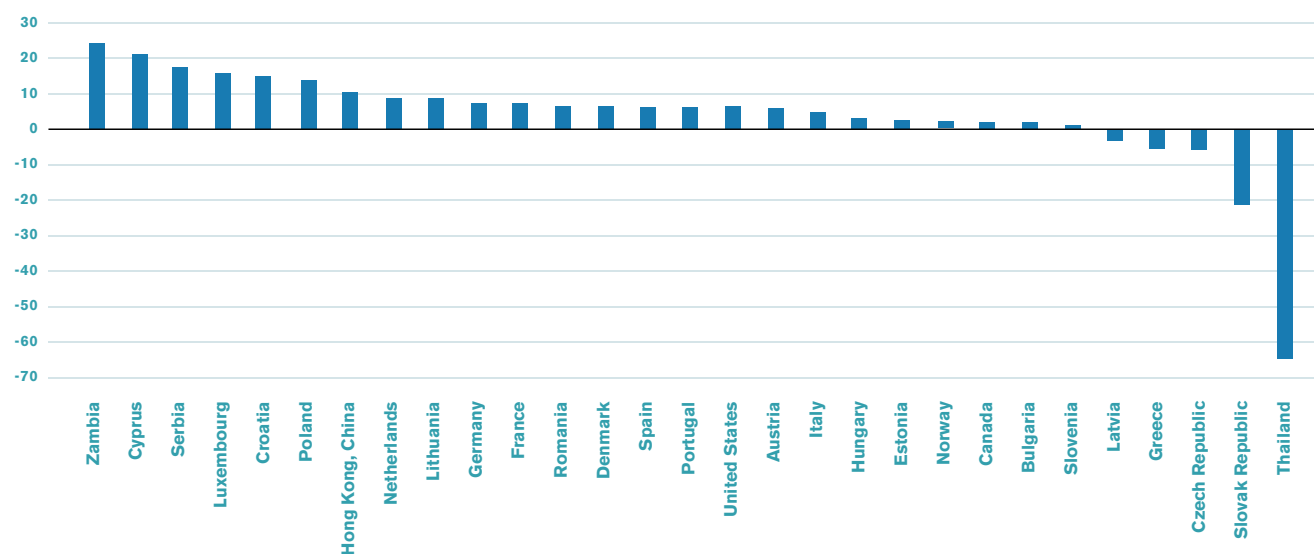
Chart 5.8:

Main extra-EU destination markets for EU firms supplying services through mode 3, 2013



Source: Eurostat.

Chart 5.9:
Growth in sales of services provided by foreign affiliates in 2013
(in percentage)*



*Given the recent development of these statistics, data coverage may not always be complete. See the chapter on "Composition, definitions & methodology".

For example, the supply of services by the European Union (mainly dominated by France, Germany, Italy, Spain and the United Kingdom) to other countries increased by 6 per cent in 2011, 4 per cent in 2012 and 1 per cent for 2013. As illustrated in Chart 5.8, the main extra-EU destination markets for EU firms supplying services through mode 3 are the United States, Switzerland, Brazil, Hong Kong (China) and South Africa.

Sales of services by the United States and Canada through their foreign affiliates abroad show a similar growth of sales. In addition, partial data are available for some developing economies, such as India. For instance, Indian affiliates abroad offering banking, computer and IT-enabled services have experienced a rapid increase in sales, with annual average growth of 17 per cent since 2008. Inward FATS measure the rendering

(i.e. sale) of services to consumers of economies in which the foreign affiliates are established. Available data show on average growth rates of 4 per cent in 2012 and 2 per cent in 2013. However the picture differs substantially depending on the economies. It should be noted that the number of economies reporting inward FATS is greater than those reporting outward FATS (see Table A62). A number of economies achieved double-digit growth rates in 2013 (see Chart 5.9). These include Zambia (+24 per cent), Cyprus (21 per cent), Serbia (18 per cent), Luxembourg (16 per cent) and Hong Kong, China (11 per cent). Some economies have experienced a sharp decline in their sales of services. These include the Slovak Republic (-21 per cent) and Thailand (-65 per cent). The high volatility of this data needs to be taken into account, as major suppliers of services are not always included as a consequence of

mergers and acquisitions in an ever-growing era of globalization (see Table A62).

Inward FATS in the United States (see Table A64) shows how rapidly some emerging and developing economies are gaining local market shares in the supply of services. Although still representing relatively small shares of overall foreign activity in the United States (ranging from 0.5 per cent to 2 per cent for each economy), affiliates of major developing economies, in particular from Asia and the Middle East, are rapidly becoming important players in the US market. For example, the Republic of Korea, India, Singapore, Mexico, China, Hong Kong (China), United Arab Emirates and Saudi Arabia now collectively account for 7.3 per cent of total foreign supply of services by foreign affiliates in the United States, compared with only around 2.5 per cent five years earlier.